2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
भूगोल	1 2 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क्रमांक 320- 1677075

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 2 0 4 2 3 0 9 4 7

शब्दों में: दो शुन्य चार दो तीन शुन्य नौं चार सात

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.भोपाल

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 1

ग :– परीक्षा का दिनांक 09 06 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा केन्द्र 422002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Sunil Prajapati 09.06.2020	Chaudhary

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	[signature]

नोट :– "हायर ... वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 1 का उत्तर (सही विकल्प)

फिंच एवं द्विवार्षी

पहला

दिल्ली

राइन

आर्यभट्ट

प्रश्न क्र. 2 उत्तर (रिक्त स्थान)

1) देहरादून

2) केरल

3) ~~रा~~ राष्ट्रीय राजपथ

4) उर्वरता ह्रास

5) दूसरा

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 3 (सही जोडी)

1) पर्यटन नगर	नैनीताल
2) जूट	पं. बंगाल
3) काली मिट्टी	कपास
4) ज्वारीय बंदरगाह	कांडला
5) मेगालोपोलिस	लंदन

प्रश्न क्र. 4 (एक वाक्य उत्तर)

1) ट्रक फार्मिंग को उद्यान कृषि भी कहते है यह कृषि नगरो के आस-पास के क्षेत्र मे की जाती हैं इसके अन्तर्गत फल-फुल- सब्जीयो का उत्पादन होता है।

2) संयुक्त राज्य अमेरिका

3) सोयाबीन

4) सोला (16) रेल जोन है।

योग पूर्व पृष्ठ ... के अंक कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

6) 70 डेसीबल से अधिक ~~ध्वनि~~ अनचाहा शोर ध्वनि प्रदूषण कहलाता है।

प्रश्न क्र 5 का ~~उत्तर~~ (अथवा)

⟹ मानव भूगोल के विषय क्षेत्र निम्न इस प्रकार है -

1) प्राकृतिक वातावरण

① जड तत्व ② चेतन तत्व

2) सांस्कृतिक वातावरण

① विन्यास रूप ② चल रूप ③ क्रिया रूप

3) वातावरण समायोजन

(इसके अन्तर्गत मानव वेशभुषा मकानो का आकार भाषा लिपि आदी का समावेश है)

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 6 का (उत्तर)

⟹ भिलाई एव जमशेदपुर औद्योगिक नगर के उदाहरण है।

प्रश्न क्र. 7 (उत्तर)

⟹ पर्यावरण प्रदूषण से आशय किसी वस्तु, पदार्थ तथा तत्वो मे अवान्छनीय हानिकारक तत्वो का मिलना पर्यावरण प्रदूषण कहलाता है।

⟹ जैसे - वायू मे हानिकारण गैसे का मिलना।

B
S
E

प्रश्न क्र. 8 (उत्तर)

⟹ वनो के प्रत्यक्ष लाभो का विवरण कुछ इस प्रकार से है।

1) लकडी की पूर्ति ⟹ वनो द्वारा हमे प्रत्यक्ष रूप से लकडी प्राप्त होती है तथा मानव जीवन मे कई दैनिक क्षेत्र मे हमे लकडीयो की आवश्यकता की पुर्ति होती है।

2) पशुओं के लिए चारा ⟹ पशु को खाने के लिए वन से अधिक से अधिक चारा उपलब्ध होता है।

प्रश्न क्र.

3) **उद्योगो को कच्चा माल प्राप्त -** वन उद्योगो का आधार माना जा सकता है क्योंकि उद्योग में सबसे महत्वपुर्ण व प्रथम पदार्थ कच्चा माल होता है जिसकी पूर्ति वनो द्वारा की जाती है।

4) **सरकार की आय का साधन -** वनों को सरकार की आय का साधन माना गया है तथा मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में वनो ने महत्वपुर्ण भूमिका निभाई है।

प्रश्न क्र. 9 का (अथवा)

→ रेल परिवहन के महत्त्व इस प्रकार है।

1) **कम खर्चीला साधन -** रेल परिवहन का कम खर्चीला होने के कारण अधिक से अधिक यात्रियो द्वारा रेलो को यातायात साधनो मे विशेष प्रयोग में लाया जाता है। यह बहुत सस्ता साधन माना जा सकता है।

प्रश्न क्र.

2) भार(वजन) ढोलने की अधिक क्षमता - रेलो द्वारा भारी से भारी वस्तुओ को एक स्थान से दुसरे स्थानो तक आसानि से पहुन्चाया जा सकता है तथा इसी कारण रेल परिवहन को उद्योगो का आधार माना गया है।

3) रेल सुगम व सुविधाजन साधन => इसके उपयोग से यात्री सरलता व पुर्ण सुविधाओ के साथ सफर करने में समर्थ रहता है। तथा अपनी यात्रा कम समय मे पुरी कर समय का सद्उपयोग कर सकने मे समर्थ है।

⟹

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

→ **प्रश्न क्र. 10 (उत्तर)**

जल परिवहन को परिवहन का सबसे सस्ता या कम खर्चीलि साधन माना जाता है तथा यात्रीयो को कई सुविधाए प्राप्त होती है। इसका महत्व कुछ इस प्रकार है –

1) **परिवहन का सबसे सस्ता साधन –** जल मे परिवहन करना कम खर्चीलि होता है जिसके कारण गरिब वर्ग को भी परिवहन मे कोई असुविधाएँ नही होती है।

2) **भार ढोलने की अधिक क्षमता –** जल परिवहन द्वारा भारी से भारी वस्तु को भी दुरस्थ क्षेत्रो से सरलता पुर्वक पहुचाया जा सकता है।

3) **मार्ग बनाने मे कोई व्यय नही –** जल परिवहन करने हेतु मार्ग नही बनाना पडता है। जिसके कारण मार्ग बनाने मे होने वाला खर्चा बचाकर अन्य कार्यो मे प्रयोग किया जा सकता है।
तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मे इसका वर्चस्व है।

B
S
E

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY

प्रश्न क्र.

⟹ प्रश्न क्र. 11 का (उत्तर)

एशिया मे जनसंख्या वृद्धि के मुख्य कारण निम्न इस प्रकार हैं -

1) **स्थल भागों की अधिकता** ⟹ एशिया मे जनसंख्या अधिक होने का प्रमुख कारण स्थल क्षेत्र अधिक होना हैं कारण विश्व मे सबसे अधिक जनसंख्या एशिया मे निवास करती हैं,।

2) **विस्तृत वन क्षेत्र के लाभ** ⟹ मानव को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लकडी की आवश्यकता होती है तथा वह हमे वनो से ही प्राप्त हैं वनो के आकर्षण के कारण मानव जाति का प्रवास एशियाई क्षेत्र में अधिक हुआ हैं,।

3) **यातायात साधनो की अधिकता** - एशिया में यातायात के पर्याप्त साधन होने के कारण व्यक्ति सरलतापुर्वक परिवहन कर एक स्थान से दुसरे स्थान पहुच सकता हैं इसी कारण लोगो के आवास के अनुकुल हैं,।

4) **औद्योगिकरण व कृषि का विकास** - एशिया के क्षेत्र मे उद्योगो व कृषि का बहुत विकास होने के कारण रोजगार प्राप्ति व जीवन यापन हेतु एशिया मानव आवास अनुकुल हैं। यही कारण हैं कि एशिया मे जनसंख्या वृद्धि अधिक हैं।

योग पूर्व पृष्ठ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 12 (उत्तर)

=> गेहूँ की पैदावार हेतु आवश्यक भौगोलिक परिस्थितियाँ -

1) तापमान -> गेहूँ की पैदावार हेतु तापमान बोते समय 15 °C तथा काटते समय 20 °C - 25 °C होना आवश्यक है।

2) वर्षा - गेहूँ उत्पादन मे वर्षा की मात्रा 50 से 75 cm तक होना आवश्यक होता है ऐसे स्थानों पर गेहूँ उत्पादन अधिक होता है।

3) मिट्टी - गेहूँ के लिए उत्तम मिट्टी चिकनी या दोमट काली मिट्टी उत्तम मानी जाती है।

4) धरातल व सिंचाई => समतल भागो मे गेहूँ उत्पादन किया जाता है तथा असिंचित क्षेत्रो मे पानी की व्यवस्था करनी आवश्यक है तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई की जाती है जैसे - पंजाब, हरियाणा आदि

5) सस्ते श्रमिक - गेहूँ को दाने डालने, काटने व मशिनो द्वारा निकालने के लि मानव श्रम शक्ति विशेष महत्वपूर्ण है।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

⇒ प्रश्न क्र. 13 का (अथवा)

पत्तन के चार प्रकार कुछ इस प्रकार है -

1) यान्त्रिक पत्तन => जल परिवहन में पत्तन को विशेष महत्व दिया जाता है क्योंकि पत्तन एक ऐसा स्थान है जहा जहाजो के ठहरने व माल लगहने की उत्तम व्यवस्था होती है इसी प्रकार यह यान्त्रिक प्रत्तन से आशय यात्रियो के रुकने हेतु बना पत्तन से है।

2) वाणिज्यिक पत्तन - इस प्रकार के पत्तन को व्यापार का प्रवेश द्वार कहा जाता है क्योंकि विदेशी व्यापार की सुविधा हेतु वाणिज्यिक पत्तनो का प्रयोग किया जाता है।

3) तेल पत्तन - यह पत्तन पर केवल तेल पदार्थो के आयात - निर्यात की व्यवस्था होती है तथा कई सुविधाए उपलब्ध रहती है जिससे विदेशी व्यापार का विकास हो।

4) आन्तरिक व बहाय पत्तन => यही सभी पत्तन को देश के व्यापार का प्रवेश द्वार माना जाता है तथा जल परिवहन मे पत्तन व बन्दरगाह का विशेष भुमिका होती है।

योग पूर्व पृ ... कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

→ प्रश्न क्र. 14 (अथवा उत्तर)

	ग्रामीण जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या
1)	जनसंख्या का वह भाग जो गाँवो मे निवास करता है ग्रामीण जनसंख्या कहलाती है	जनसंख्या का वह भाग जो नगरो मे निवास करता है नगरीय जनसंख्या कहलाती है।
2)	ग्रामीण जनसंख्या का अधिकांश भाग प्राथमिक व्यवसाय मे लगा होता है (जैसे - कृषि, पशुपालन)	जनसंख्या का अधिकांश भाग द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ सेवाओ मे लगे होते है (जैसे - संचार, बिमा)
3)	जनसंख्या वृद्धि दर निम्न होती है।	जनसंख्या वृद्धि दर अधिक होती है।
4)	उद्योगो व बाजारो की सुविधाओ का अभाव होता है।	उद्योगो व बाजार की अधिक सुविधाए प्राप्त है।
5)	लोगो का जीवन स्तर निम्न होता है।	लोगो का जीवन स्तर ऊचा होता है।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

⟹ प्रश्न क्र. 15 (उत्तर)

वन संरक्षण हेतु मुख्य उपायो का वर्णन –

1) **वनों को आग से बचाना** → वन संरक्षण हेतु हमे वनो मे अधिक तापमान के कारण लगने वाली आग को रोकने के प्रयास करने होगे इस प्रकार से वन संरक्षण सम्भव है।

2) **वृक्षो की कटाई पर प्रतिबन्ध** => वनो को सुरक्षित रखने के लिए वृक्षो की कटाई मे कमी करना अतिआवश्यक होता है तथा चिपको आन्दोलन जैसे विशेष कार्यक्रम चलाए जाए।

3) **अधिक वृक्षारोपण करना** → वनो को बढना चाहिए
(उगता हुआ पेड देश की प्रगति का प्रतिक है - जवाहर लाल नेहरू)
यह कथन सत्य है तथा सभी को मिलकर वृक्षारोपण को बढाना देना चाहिए।

4) **स्थानान्तरण कृषि का अन्त** – इस कृषि मे वनो को साफ किया जाता है जिस्से वन प्रतिशत घटता जा रहा है झूमिंग कृषि का अन्त कर वन संरक्षण किया जा सकता है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

5] वनो को हानिकारक किटो से बचाना -

वनो में लगने वाली किटो को कम करने हेतु दवाइयो का छिड़काव किया जाए तथा वनो में औषधियो से सम्बन्धित वृक्षो की मात्रा को बढ़ाने के पुर्ण प्रयास किए जाए।

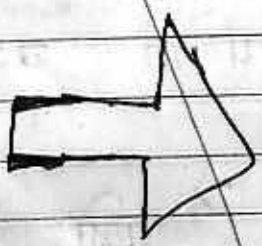

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 16 का (अथवा)

उद्योगो की समस्याए इस प्रकार है -

1) **समुचित कच्चे माल का अभाव** => उद्योगो की सबसे बड़ी समस्या स्थानिय कच्चा माल उपलब्ध न होना है तथा इसका आयात दुरस्थ क्षेत्रो से करवाया जाता है।

2) **आवश्यक पुँजी की कमी** => उद्योगो मे लगने वाली पुंजी की कमी के कारण उद्योगो मे विकास सम्भव नही है उद्योगो की यह समस्या अधिक पुँजी इकट्ठी कर दूर करी जा सकती है।

3) **उत्तम व नविन मशिनो का अभाव** = उद्योगो के समस्त कार्य मशिनो पर निर्भर होते है तथा पुरानी व घिसीपिटी मशिनो का प्रयोग किया जाना एक बड़ी समस्या है इससे ध्वनि प्रदुषण मे भी वृद्धि होती है।

4) **कुशल व शिक्षित श्रमिको का न मिलना** => उद्योगो के विकास के लिए उसमे कार्य करने वाले श्रमिको का शिक्षित होना महत्वपुर्ण होता है जिस्से वे अपना

प्रश्न क्र.

कार्य अच्छी व जल्द कर सकते है
यही समस्या उद्योगो की है, की सस्ते व
शिक्षित श्रमिको का अभाव है

5) परिवहन / यातायात साधनो का अभाव - उद्योगो के विकास का आधार परिवहन माने जाते है क्योंकि इसके द्वारा ही उद्योगो तक माल पहुँचाया जाता है तथा इसके द्वारा ही उत्पादित माल को बाजारो तक लेजाया जाता है। तथा जिन क्षेत्रो मे परिवहन साधन का अभाव है उस क्षेत्र मे उद्योगो का विकास सम्भव नही है,

(प्रश्न क्र. 17 का उत्तर)

1.(a) मानचित्र - ① न्यूयार्क
केप काहिरा रेल मार्ग
② हिन्द महासागर
③ लाल सागर
④ लंदन से दिल्ली वायु मार्ग
⑤

→

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

न क्र.

प्रश्न क्र. 18 का (उत्तर)

मुम्बई में सूती वस्त्रोद्योग के विकसित होने के मुख्य कारण इस प्रकार है।

1) महाराष्ट्र मे काली मिट्टी का प्रसार => काली मिट्टी कपास उत्पादन मे महत्वपूर्ण होती है महाराष्ट्र में इसी कारण काली मिट्टी की वजह से कपास अधिक मात्रा मे उपलब्ध होता है तथा सूती वस्त्र उद्योगो का विकास हुआ है।

2) समुद्री आर्द्र जलवायु उद्योगो के लिए वरदान => समुद्री क्षेत्र की निकटता के कारण यहा उद्योगो का विकास होता रहा है भारत का सूती वस्त्र उद्योग मुख्यत: - महाराष्ट्र (मुम्बई) व गुजरात (अहमदाबाद) मे हुआ है भारत का सूती वस्त्र उत्पादन मे दूसरा स्थान है

3) सस्ती जल विद्युत उपलब्ध => मुम्बई उद्योगो को जल विद्युत की सुविधाए प्राप्त है तथा सरलतापूर्वक सुती वस्त्रो का निर्माण किया जाना सम्भव है वहा की जलवायु सूती उद्योगो के अनुकूल है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

4) जलापूर्ति => सूती ~~वस्त्र~~ उद्योग के लिए जल का अधिक प्रयोग किया जाता है कपास को धोने के लिए शुद्ध जल प्राप्ति हमे मुम्बई के निकटवर्ती क्षेत्रो से सरलतापूर्वक हो जाती है।

5) परिवहन व बन्दरगाह की पर्याप्त सुविधाएँ =>

यातायात के साधनो की अधिकता के कारण मुम्बई मे सुती वस्त्रो का केन्द्र बन चुका है। तथा यहा कई बन्दरगाह होने के कारण उत्पादित वस्तु के बाजारो तक पहुंचाना सम्भव हो चुका है।

(यही कारण है कि मुम्बई में सूती वस्त्र उद्योगो का अधिक विकास हुआ है)

B
S
E

X　　X　　X

Roll No. [redacted]

World Map

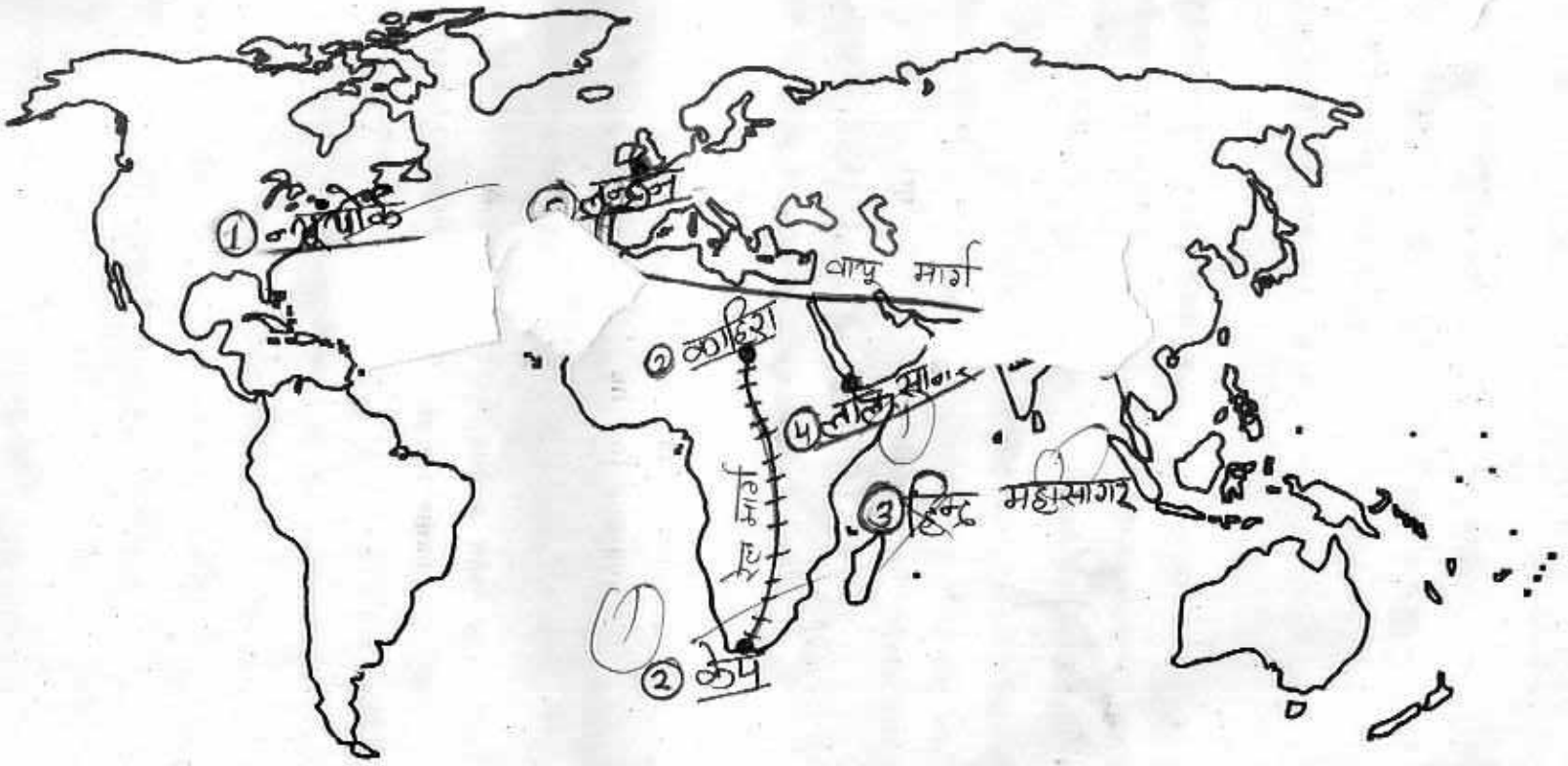

1. न्यूयोर्क
2. केप- काहिरा रेल मार्ग
3. हिन्द महासागर
4. लाल सागर
5. लंदन से दिल्ली वायु मार्ग